जिनशासन के रंग

आचार्य कुंद कुंद सर्वोदय फाउन्डेशन
वस्तु सहावो धम्मो

परिकल्पना
विराग शास्त्री
जबलपुर

प्रकाशक
आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, जबलपुर

आईये आप भी बाल संस्कार अभियान में सहभागी बनें

शिरोमणि परम संरक्षक		1,00,000/-
परम संरक्षक	-	51,000/-
संरक्षक	-	31,000/-
परम सहायक	-	21,000/-
सहायक	-	11,000/-
सहायक सदस्य	-	5,000/-
सदस्य	-	1,000/-

प्रत्येक सहयोगी को (सदस्य छोडकर) चहकती चेतना पत्रिका का आजीवन सदस्य बनाया जायेगा। साथ ही संस्था द्वारा निर्मित होने वाली समस्त सीडी एवं साहित्य निःशुल्क भेजा जायेगा। आप अपनी सहयोग अथवा सदस्यता राशि ''आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन जबलपुर'' के नाम से ड्राफ्ट अथवा चैक बनाकर प्रेषित करें। आप यह राशि संस्था के पंजाब नेशनल बैंक, जबलपुर के बचत खाता क्रमांक 1937000101026079 में जमा करा सकते हैं। राशि जमा करने की सूचना हमें अवश्य देवें। आप यह राशि ''आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन जबलपुर'' के नाम से ड्राफ्ट / चैक के माध्यम से भी भेज सकते हैं।

परिकल्पना - विराग शास्त्री, जबलपुर

मूल्य 35/-

प्रकाशन सहभागी - श्रीमती नीलम जैन, जयपुर

भाषा रुपान्तरण - श्रीमती एकता पिंकेश बोटादरा, घाटकोपर, मुम्बई

विशेष सहयोग - श्री सौरभ शास्त्री इंदौर, डॉ. मनोज जैन जबलपुर, श्री गौरव शास्त्री इंदौर, श्रीमती स्वस्ति जैन, जबलपुर

कवर फोटो - कु. मेहर साहिल कामदार, दादर मुम्बई

संपर्क - सर्वोदय, 702, जैन टेलीकॉम, लाल स्कूल के पास, फूटाताल, जबलपुर - 482 002 मध्यप्रदेश
मोबा. 9300642434, ई-मेल : chehaktichetna@yahoo.com

प्रथम आवृति - 5000 (23 अप्रैल 2013)

द्वितीय आवृति - 1000 (14 जून 2013)

तृतीय आवृति - 1500 (1 जनवरी 2015)

चतुर्थ आवृति - 1000 (29 मई 2017) श्रुत पंचमी के अवसर पर

मुद्रक व्यवस्था - स्वस्ति कम्प्यूटर्स, जबलपुर मोबा. 8989894932

जिनेन्द्र भगवान
LORD JINENDRA

प्रथम नमन अरहंत को, फिर दूजा हो काम ।
श्री जिनेन्द्र से ही मिले, मुक्तिपुरी वरदान ॥

First bow to the perfected human beings,
Later think of any other work,
Jin shows us the path of liberation.

जिन मंदिर
JIN MANDIR

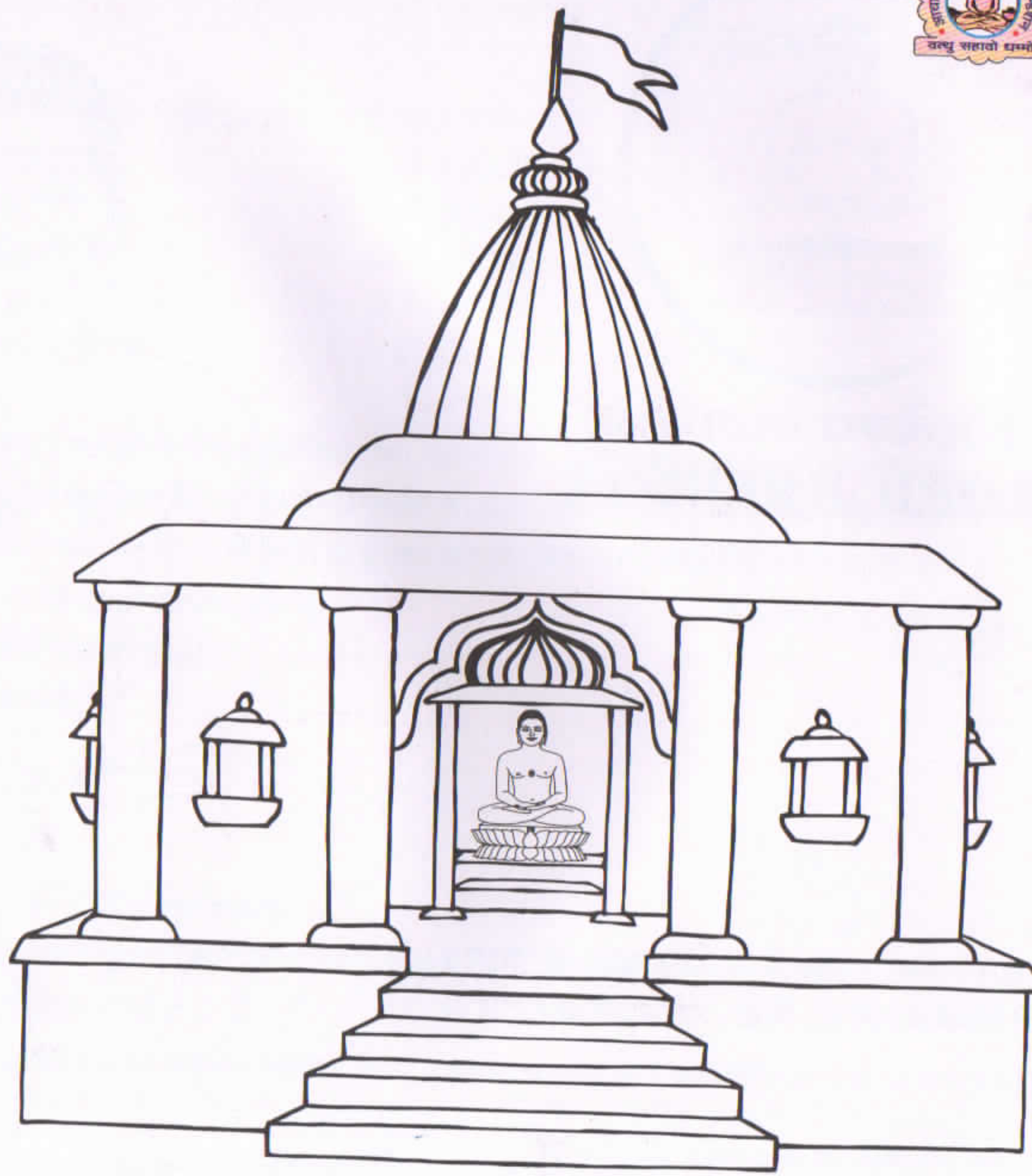

जिनमंदिर प्रतिदिन ही जाना, श्री जिनेन्द्र के दर्शन पाना।
यह जैनी की है पहचान, यही हमारा गौरव जान ॥

We should daily go to the
Jinmandir and pray to the Jins,
This identifies a Jain and glorifies us.

पाठशाला जाते बालक

CHILDREN GOING TO PATHSHALA

सच्चे सुख के मार्ग को पाने, चलों चलें पाठशाला।
अपना जीवन उज्जवल करने, चलों चलें पाठशाला ॥

To attain the path of real happiness,
Let's go to pathshala,
To brighten our lifes,
Let's go to pathshala.

दिन में भोजन

EATING DURING THE DAY

Eating after sunset is a great sin,So eat during the day,
Be Calm natured , eat simple food, Always first do Jinendra prayer .

रात्रि भोजन में लगता पाप, दिन में भोजन कर लो आप ।
शांत भाव से करना भोजन, पहले कर जिनेन्द्र आराधन ॥

पानी छानना
FILTER WATER

पानी छानकर सदा ही पीना, यह है जिनवाणी का कहना।
जीव दया अपने उर लाना, सच्चे जैनी सब कहलाना ॥

Always drink filtered water ,
This is our Jinvanis preaching,
Show kindness towards living beings,
And be a true Jain.

ॐ

OM

पंच परमेष्ठी का इसमें वास, ॐ शब्द की करना जाप ।
जो भी इनको वंदन करता, मिटता उसका भव संताप ॥

Om represents Five Supreme Souls,
Keep chanting Om,
Praying Om washes
out the woes of life and death.

स्वास्तिक
SWASTIK

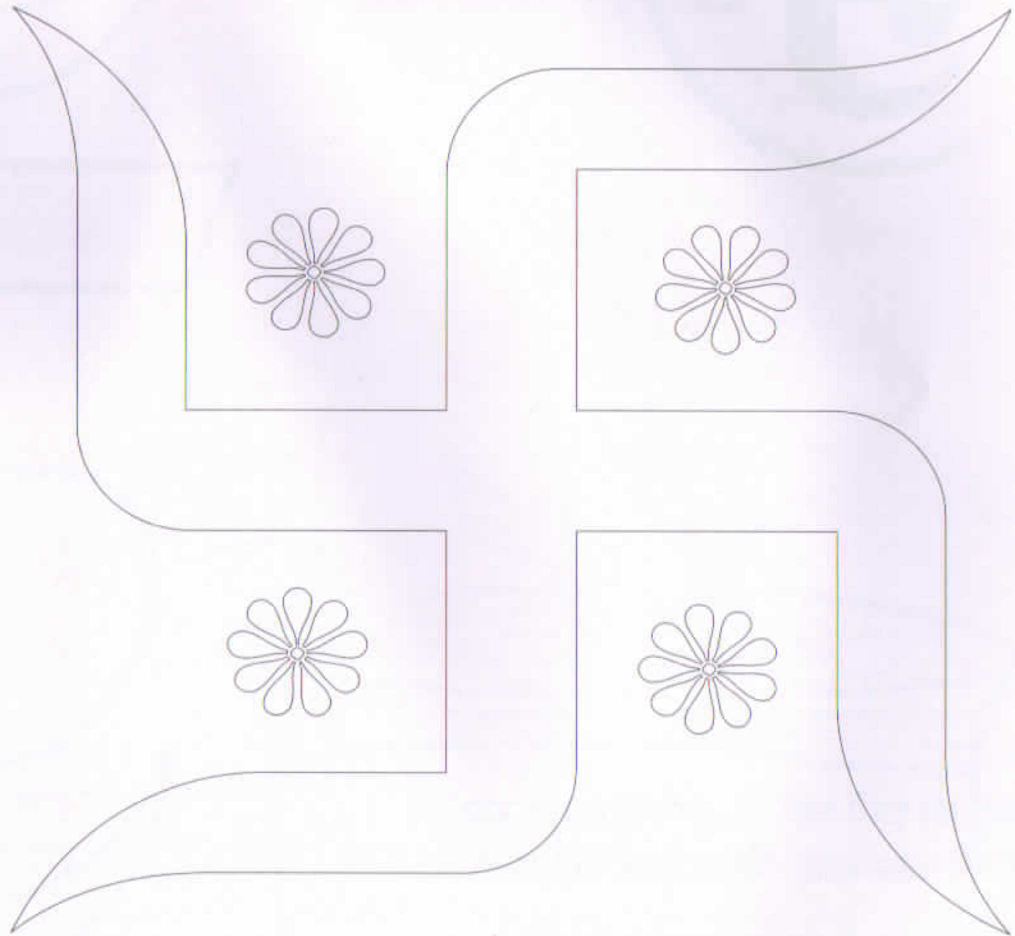

मंगल द्रव्यों में इसका नाम,
चार गति का नाशक जान।

Swastik is a beneficial symbol,
It is the destroyer of
four destinies(states of life).

तीन लोक

TEEN LOK-UNIVERSE

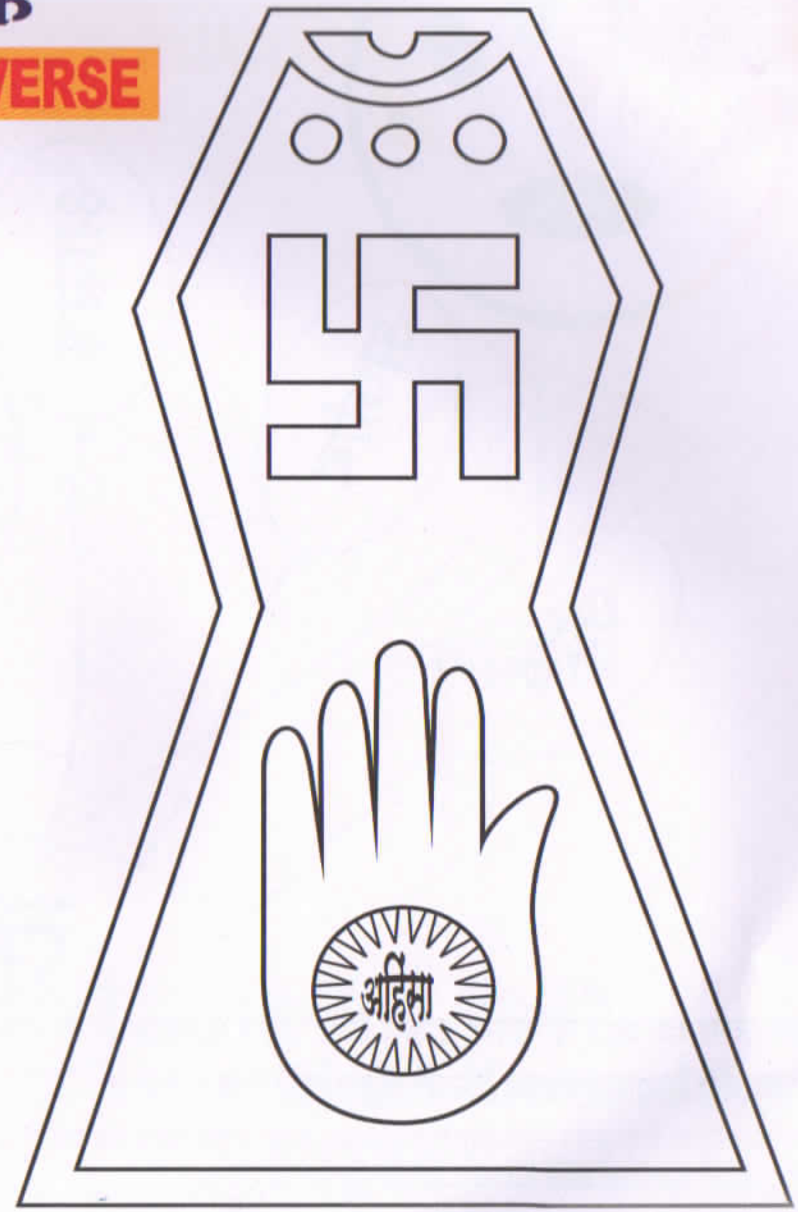

तीन लोक है इसका नाम, सब जीवों का यह आवास ।
अकृत्रिम रचना यह सुन्दर, रंग भरो तुम इसमें मनहर ।।

Three Lok - Universe
Universe is the place where all souls reside,
It is amazing and made naturally,
You colour it beautifully.

सात तत्व
SEVEN ELEMENTS

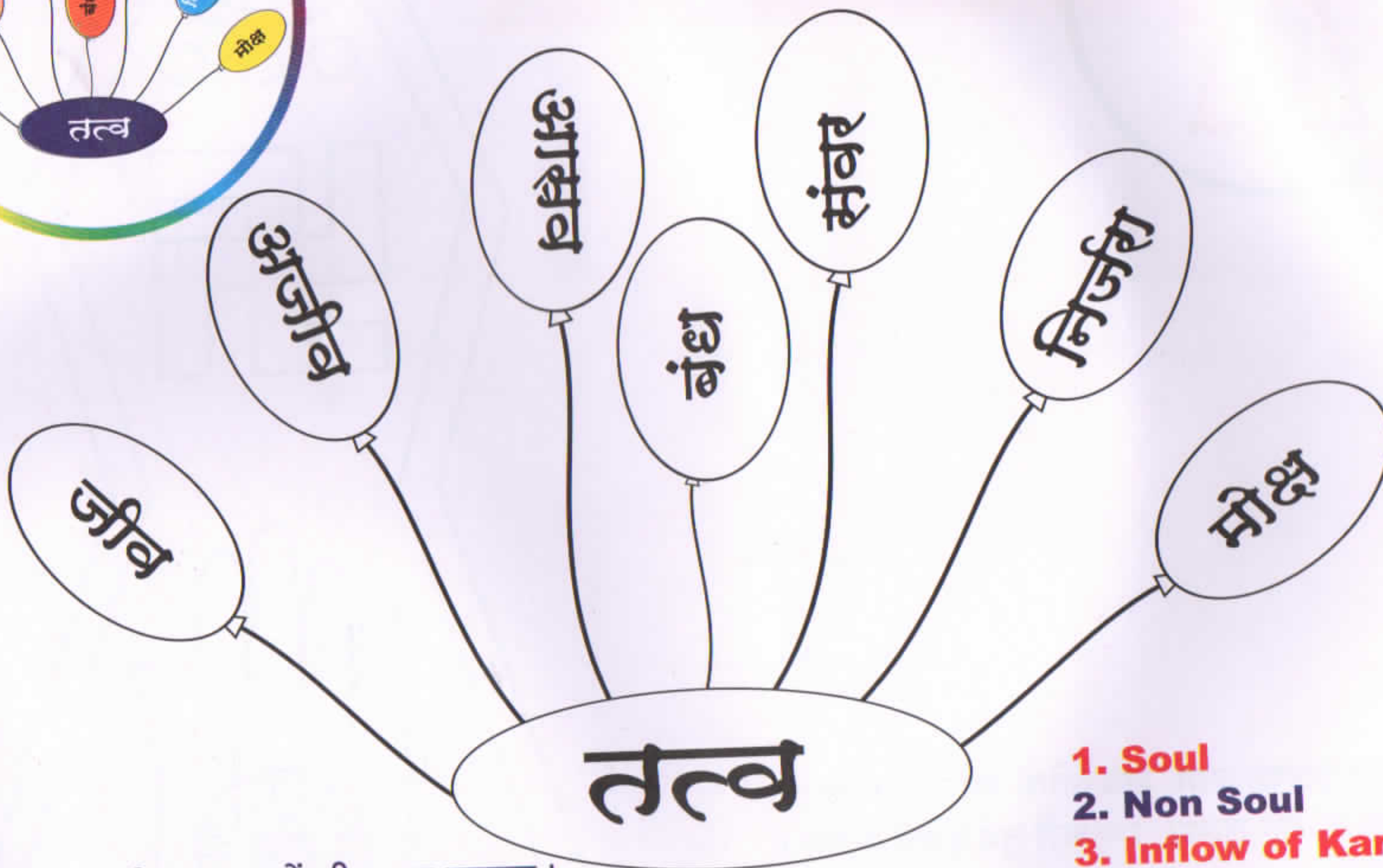

1. Soul
2. Non Soul
3. Inflow of Karam
4. Bondage of Karam
5. Stoppage of Karam
6. Shedding of Karam
7. Liberation of Karam

सात तत्व का कर लो ज्ञान, इसमें जीव तत्व पहचान ।
जीव सदा है ज्ञान स्वरूप, इसमें नहीं पुद्गल का रूप ॥

Know the seven elements, You are the element soul,
Knowledge is the characteristic of soul,
It does not have the guise of non soul matter.

रत्नत्रय

THREE JEWELS-RATNATRAY

रत्नत्रय है मोक्ष का पंथ, कहते हैं श्री मुनि निर्ग्रन्थ।
प्रगट करो रत्नत्रय रूप, पाना मुक्ति सौख्य अनूप॥

These three jewels of Jainism are the path to liberation shown by the spiritual practitioners. achieve these three jewels and attain matchless salvation.

- **Right Faith**
- **Right Knowledge**
- **Right Conduct**

चार कषाय
FOUR ACRID(Kashay)

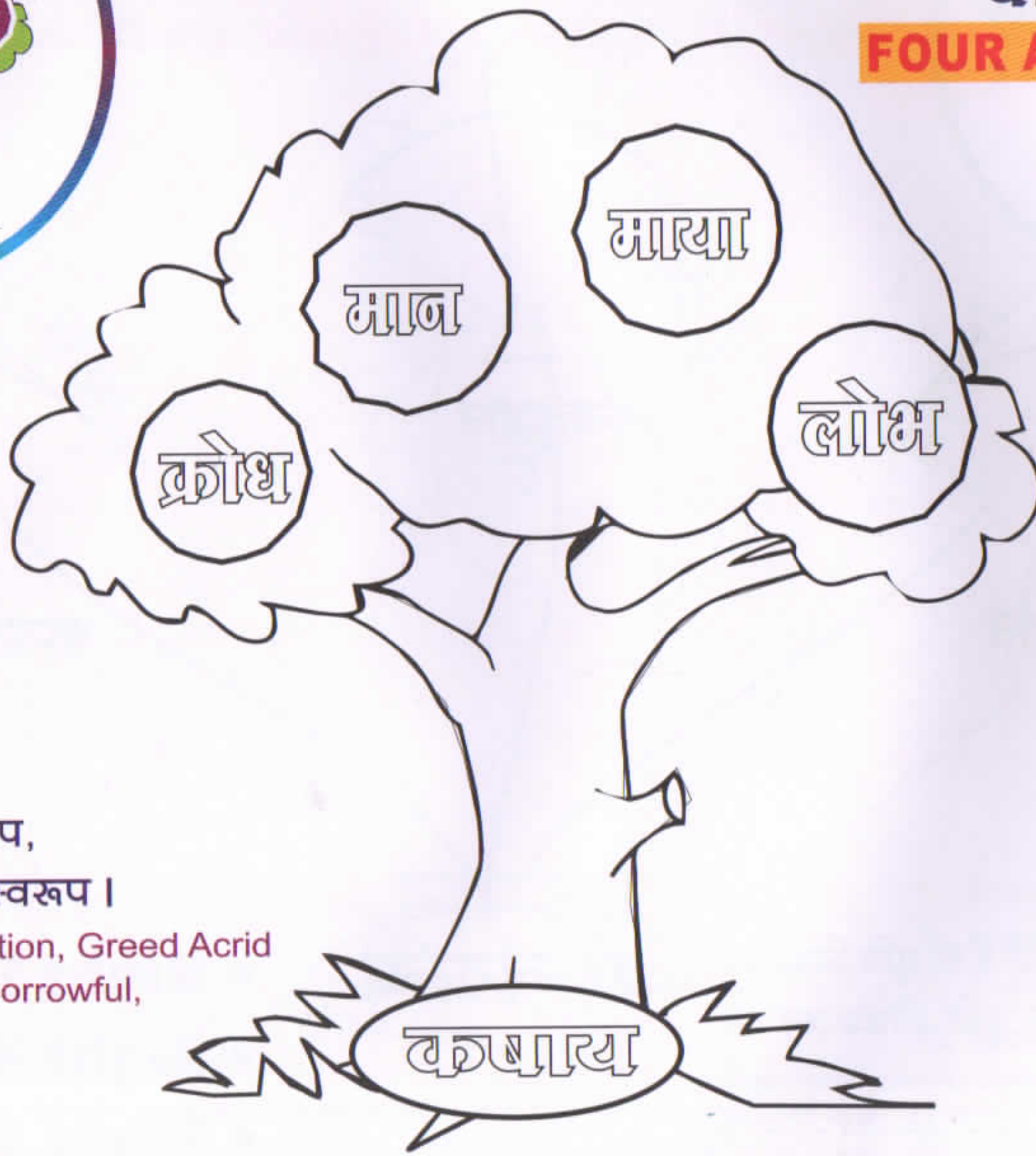

चार कषाय महादु:खरूप,
अपना आतम सौख्य स्वरूप ।

Anger, Proud, Deception, Greed Acrid
Four acrids are very sorrowful,
My soul is joyful.

पाँच पाप

FIVE SIN

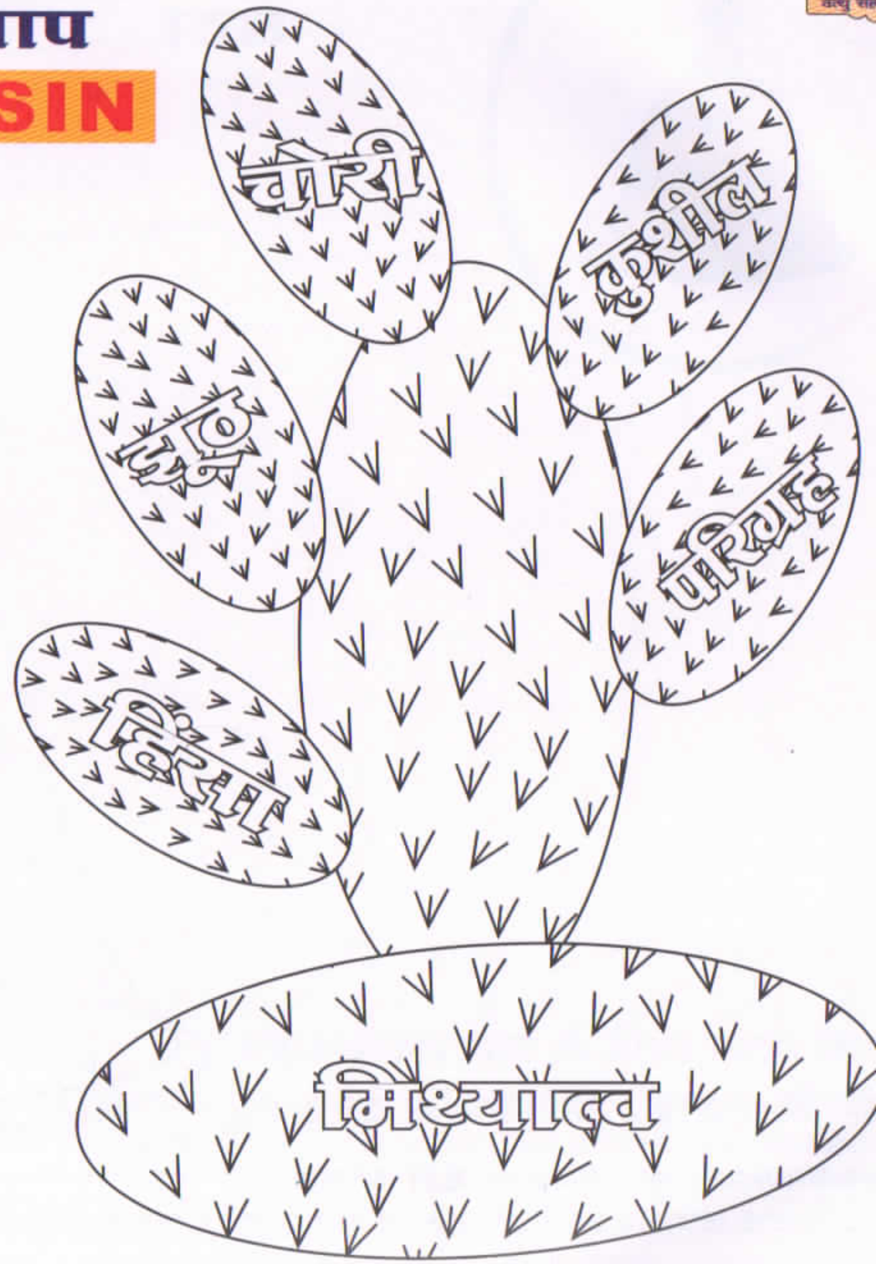

पाँच पाप सब दु:खमय जान,
महापाप मिथ्यात्व को जान।

Violence, Lie, Thieving, Uncourteous behaviour, Accumulation of possessions
Wrong Belief
Five sin are all sorrowful,
Wrong belief is the greatest sin.

घंटा
BELL

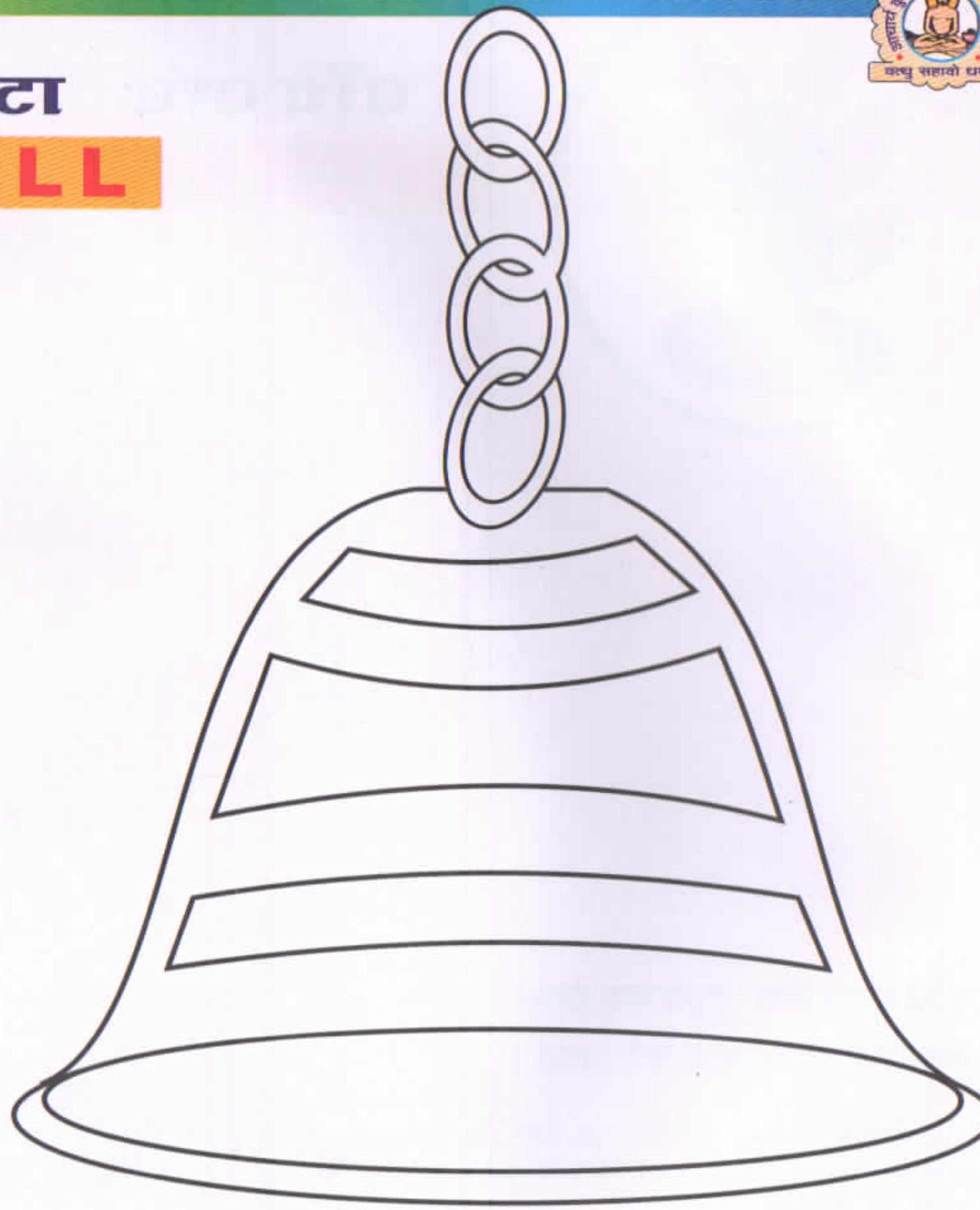

घंटा की मंगल ध्वनि से, मिले सदा संदेश।
जिनमंदिर में आईये, मिटे कर्म का क्लेश ॥

The melodious bells give us a message,
Come to the temple and off will go the painful ness of karma.

जैन ध्वज
JAIN FLAG

पांच रंग का सुन्दर झंडा, लहराता है यह पचरंगा ।
जिनशासन की शान है ये, हम सबकी पहचान है ये ।।

The five coloured flag aflare,
It is the dignity of Jinshasan,
The flag gives us all recognition.

छह द्रव्य

SIX SUBSTANCES

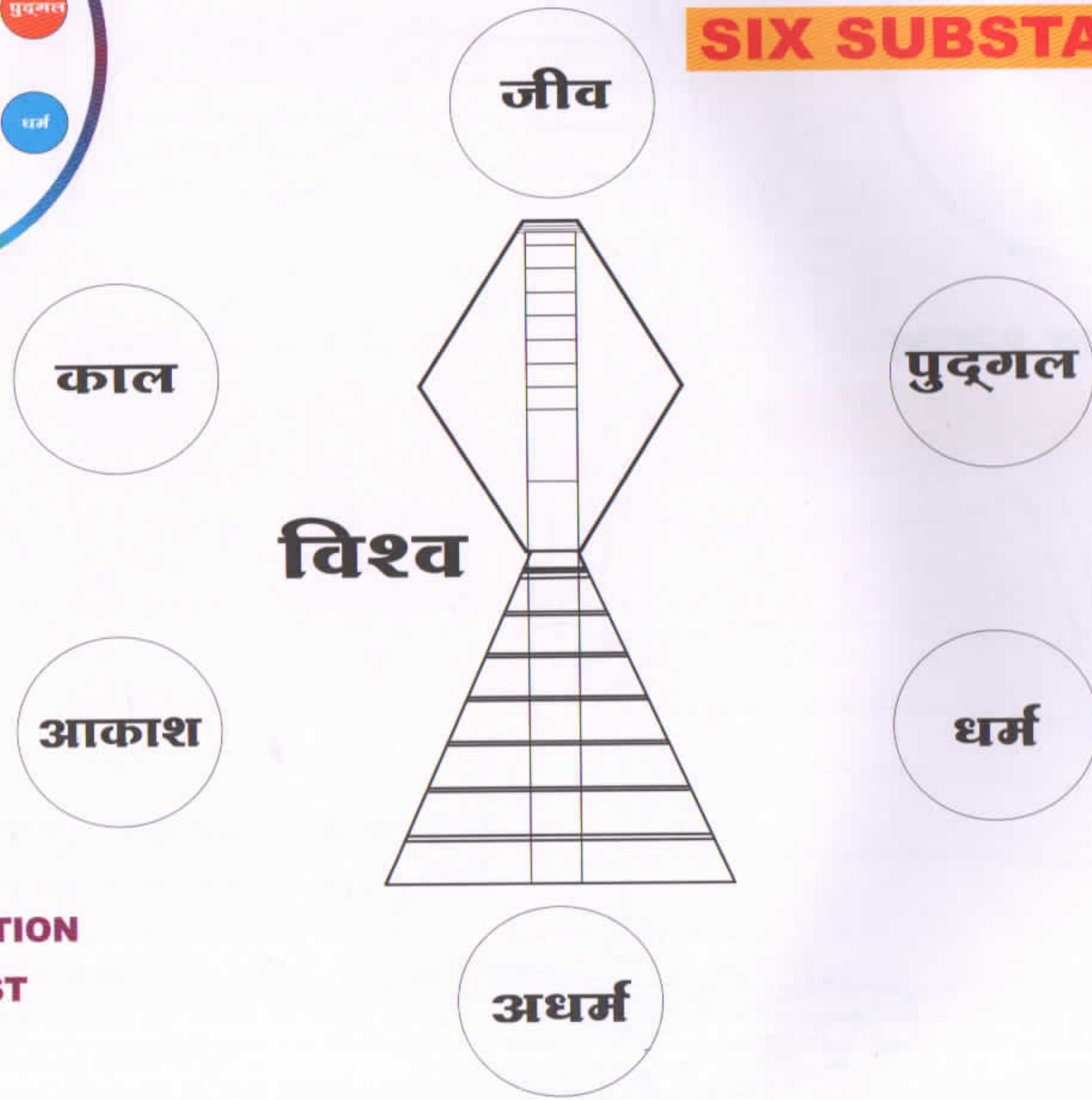

SIX SUBSTANCES

1. JEEV
2. MATTER
3. MEDIUM OF MOTION
4. MEDIUM OF REST
5. SPACE
6. TIME

क्या अपने बच्चे को जिनधर्म के संस्कार देना चाहते हैं ....

क्या आप जैन धर्म की रोचक जानकारियों से परिचित होना चाहते हैं ... तो

आज ही विश्व की एकमात्र रंगीन बाल पत्रिका

धार्मिक बाल त्रैमासिक पत्रिका

चहकती चेतना

के सदस्य बनिये।

संपादक - विराग शास्त्री, जबलपुर

प्रकाशक – सूरज बेन अमुलखराय सेठ स्मृति ट्रस्ट, मुम्बई

संस्थापक – आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन (रजि.) जबलपुर (म.प्र.)

संपर्क

सर्वोदय, 702, जैन टेलीकॉम, लाल स्कूल के पास, फूटाताल, जबलपुर - 482 002 मध्यप्रदेश

मोबा. 9300642434 ई-मेल : chehaktichetna@yahoo.com

अपने बालकों को सुविधायें नहीं संस्कार दीजिये
संस्कार बिना की सुविधायें पतन का कारण है।

अपने बालकों को जिनधर्म के संस्कार देने के लिये उन्हें दीजिये

बाल संस्कार गीत, धार्मिक कम्प्यूटर गेम एवं जैन धर्म की कहानियों के वीडियो

परिवार आयोजनों, जन्मदिवस, पाठशाला में पुरस्कार के लिये सर्वोत्तम उपहार

1. **जैनी बच्चे सच्चे हम**
2. **हम होंगे ज्ञानवान**
3. **मेरा वीर बनेगा बेटा**
4. **कर लो जिनवर की पूजन**
5. **जिनधर्म की कहानियाँ**
6. **तोता तू क्यों रोता**
7. **छहढाला (सचित्र–अर्थ सहित)**
8. **गाथा महापुराण की**
9. **नन्हे मुन्ने ज्ञायक हम**
10. **भगवन बनने जन्मे हम**
11. **पाठशाला चलें हम**
12. **आओ सीखें जैन धर्म**
13. **तुम्हें वीर बनना है**
14. **शेर बना भगवान**
15. **विदाई की बेला**
16. **हमारे तीर्थंकर** (Computer Game)
17. **जिनशासन के रंग** (Computer Game)
18. **चित्र वाटिका** (Computer Game) **पजल गेम**
19. **आत्म चेतना (भजन संग्रह)**
20. **हमारे तीर्थंकर - स्टीकर गेम** (Game)
21. **मुक्ति सोपान** (Game)
22. **मोक्षमार्ग प्रकाशक (आडियो संस्करण)**
23. **अध्यात्म वैभव (भजनों का संकलन)**
24. **समयसार वीडियो**
25. **कठपुतली के साथ जैन धर्म की बात** (Video CD)
26. **मुक्ति की ओर - सांप-सीढ़ी** (Computer Game)
27. **जिन धर्म लगे प्यारा** (Computer Game)
28. **जिन धर्म की लोरी**
29. **इतिहास के दो सूर्य**
30. **हमारी प्यारी पाठशाला** (बाल कविता पुस्तक)

प्रस्तुति – आचार्य कुन्द कुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन रजि. जबलपुर

निर्देशक, रचनाकार, संकलन - **विराग शास्त्री, जबलपुर**